भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1563
दिनांक 14 मार्च, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पुरानी बीमारी की रोकथाम और देखभाल

1563 # श्री सतीश चंद्र दूबे:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत चार वर्षों के दौरान वर्ष-वार और राज्य-वार कितने लोग हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह, क्षयरोग आदि पुरानी बीमारियों से पीड़ित हैं;
(ख) सरकार द्वारा इन सभी पुरानी बीमारियों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उनकी रोकथाम और उनके बारे में जागरूकता फैलाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने हैं; और
(ग) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (ग): आईसीएमआर अध्ययन रिपोर्ट "इंडिया :हेल्थ ऑफ द नेशंस स्टेटसभारत में ,के अनुसार " 30 में 1990 का अनुपात (एनसीडी) पुरानी बीमारियों.5% से बढ़कर 55 में 2016.4% हो गया है। विस्तृत रिपोर्ट निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है-
https://www.healthdata.org/sites/default/files/files/policy_report/2017/India_Health_of_the_Nation%27s_States_Report_2017. pdf

भारत सरकार का स्वास्थ्य और परिवार कल्यण विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम)के हिस्से के रूप में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदयवाहिका रोग और आघात रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर उनकी संसाधन सीमा के अध्यधीन तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के उपचार के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन और रोकथाम, शीघ्र निदान, प्रबंधन और स्वास्थ्य देखभाल सुविधा के उचित स्तर पर रेफरल के लिए जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है । एनपीसीडीसीएस के तहत, 708 जिला एनसीडी क्लीनिक, 301 जिला डे केयर सेंटर,194 कार्डिएक केयर यूनिट और 5671 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

एनसीडी का निदान और उपचार स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में विभिन्न स्तरों पर उपलब्ध है। सरकारी अस्पतालों में इलाज गरीबों और जरूरतमंदों के लिए या तो मुफ्त या अत्यधिक सब्सिडी वाला है। आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत प्रमुख एनसीडी का उपचार भी उपलब्ध है । इसके अलावा, राज्य सरकारों के सहयोग से प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत सभी को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराई जाती हैं । उपचार के लिए सस्ती दवाएं और भरोसेमंद प्रत्यारोपण (अमृत) फार्मेसी स्टोर कुछ अस्पतालों/संस्थानों में स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य अधिकतम खुदरा मूल्य की तुलना में पर्याप्त छूट पर दवाएं उपलब्ध कराना है।

एनएचएम के तहत और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के एक हिस्से के रूप में देश में आम एनसीडी की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या आधारित पहल शुरू की गई है। पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को सामान्य एनसीडी यानि मधुमेह, उच्च रक्तचाप और तीन सामान्य कैंसर अर्थात मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा केंसर की जांच के लिए लक्षित किया जाता है। इन सामान्य एनसीडी की जांच आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के तहत सेवा प्रदायगी का एक अभिन्न अंग है ।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आरोग्य केंद्र योजना के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के तहत आरोग्य कार्यकलपों को बढ़ावा देकर और सामुदायिक स्तर पर लक्षित संचार द्वारा हृदयवाहिका रोगों के निवारक पहलू को मजबूत किया जाता है। स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए एनसीडी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए अन्य पहलों में एनसीडी से संबंधित स्वास्थ्य दिवस मनाया जाना और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। इसके अलावा,एफ़एसएसएआई के माध्यम से स्वस्थ खान- पान को भी बढ़ावा दिया जाता है। फिट इंडिया अभियान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है, और आयुष मंत्रालय द्वारा योग संबंधी विभिन्न कार्यकलाप किए जाते हैं। इसके अलावा, एनपीसीडीसीएस अपनी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा किए जाने वाले एनसीडी के लिए जागरूकता पैदा करने (आईईसी) संबंधी कार्यकलापो के लिए एनएचएम के तहत वित्तीय सहायता देता है।

****